

□□□□□□□ □□□□□□ □□ '□□□□□□□□'

प्रेम शुक्ल

मध्य □शिया के दो देश लगभग बर्बादी की कगार पर है। इराक में हर वर्ष औसतन 10 हजार से अधिक लोग आतंक की आग में भस्म हो रहे हैं। दक्षिण □शिया और मध्य □शिया के बीच सेतु देश है अफगानिस्तान। तालिबान और अल-कइदा से ल□ते-ल□ते अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना थक चुकी है। अफगानिस्तान से फैली इस्लामी कट्टरता की आग पाकिस्तान को अपनी आगोश में ले चुकी है। पाकिस्तान का उत्तर पश्चिमी सीमांत प्रांत और फेडरली □डमनिस्टर्ड टेरिटरी (फाटा) इस्लामाबाद की सत्ता से बाहर जा चुका है।

यदि अमेरिका ने समय रहते व्यापक हस्तक्षेप नहीं किया तो पाकिस्तान के कई टुकड़े हो जाएंगे। पाकिस्तान तो पाकिस्तान पूरा दक्षिण □शिया हिंसा की आग में जल रहा है। श्रीलंका पिछले तीन दशकों से अलगाववादी आंदोलन झेल रहा है और भारत में इस्लामी आतंकवाद अब कश्मीर की वादियों से निकल कर शहर-दर-शहर अपना पांव पसारता जा रहा है। जहां इस्लामी आतंकवाद नहीं है वहां नक्सलवाद, मिजो, बोडो, उल्फा, नागा अलगाववाद तांडव कर रहा है। नेपाल में माओवादी और मधेशी अलगाववादी ताकतें फिलहाल सत्ता की हिस्सेदार हैं इसलिए नेपाल में शांति की पुरवाई बह रही है। वहां कब अलगाववाद फिर सिर उठा लेगा यह तो बीजिंग के लाल गुप्तचर भी नहीं बता सकते। बांग्लादेश में चकमा समेत तमाम अलगाववादी ताकतें सक्रिय हैं। भूटान में गोरखा-गबाहे नेपाली अलगाववादी सिर उठा लेते हैं। कुल मिला कर पूरा दक्षिण □शिया गृहयुद्ध की आग में जल रहा है। यह आग कोई आज नहीं लगी है। पिछले डेढ़ हजार वर्षों से यह क्षेत्र अस्थिर है। यदि कहां जाए कि दक्षिण □शिया पृथ्वी के 'महाभारत' का कुरूक्षेत्र है तो यह किसी भी कोण से अतिशयोक्ति नहीं। यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका समेत दुनिया की किसी अन्य सभ्यता ने इतना असंतोष और आपसी मारकाट का सामना नहीं किया है जितना दक्षिण □शिया और विशेषकर भारतीय उपमहाद्वीप ने। वैसे इस अंतर्कलह का इतिहास ईसा पूर्व छठी से चौथी सदी के बीच ही प्रारंभ होता है। मौर्य वंश के चंद्रगुप्त मौर्य ने ईसापूर्व 322 में नंदवंश से सत्ता छीन ली थी। सम्राट अशोक का कलिंग युद्ध अंतर्कलह का परिणाम था। ईसापूर्व तीसरी सदी से ईस्वी सन की सातवीं सदी के बीच सातवाहन, कुशाण, गुप्त, वर्धन वंशों ने अपने-अपने साम्राज्यों के विस्तार के लिए सतत युद्ध किए। हर्षवर्धन की मृत्यु के बाद देश पर चार राजपूत वंशों ने अपना साम्राज्य कायम किया। कन्नौज में गुर्जर प्रतिहार, अजमेर और दिल्ली में चौहान, बुंदेलखंड में चंदेल और गुजरात में सोलंकी वंश ने अपना साम्राज्य कायम किया। ये सारे राजपूत आपस में ल□ते रहे और वर्तमान पाकिस्तान पर अरबी हमलावरों ने कब्जा कर लिया। दक्षिणी हिंदुस्थान में चोला वंश के राजओं और श्रीलंका के शासकों के बीच युद्ध प्रारंभ हुआ। बारहवीं सदी में श्रीलंका के राजा विजयबाहु के तीन पुत्रों के बीच तख्त के लिए गृहयुद्ध छिड़ा। पराक्रमबाहु यह युद्ध जीतने में कामयाब हुआ और उसके वंशजों ने अगली छह सदी तक राज्य किया। दक्षिण भारत में आठवीं से बारहवीं सदी के बीच में चालुक्य, पल्लव, चोला और राष्ट्रकूट वंशों के बीच युद्ध हुए। चौदहवीं से उन्नीसवीं सदी के बीच तुगलक, लोधी और मुगल वंश सत्ता पर काबिज होने के लिए लगातार ल□ते रहे। इस कालखंड में हुई प्रमुख ल□ाइयों के इब्राहिम लोधी और बाबर के बीच हुआ पानीपत का युद्ध, बाबर और राणा सांगा के बीच हुआ कानवा का युद्ध, अकबर और राणा प्रताप के बीच हुई हल्दी घाटी की ल□ाई, मराठों और अहमदशाह अब्दाली के बीच हुई पानीपत की ल□ाई का शुमार है। ध्यातव्य रहे कि जब भारतीय उपमहाद्वीप लगातार युद्धों का शिकार रहा, उस समय आज के विकसित कहलानेवाले देशों को अमन-चैन से अपना विकास करने का मौका मिला। उदाहरणार्थ स्पेन, फ्रांस, और जर्मनी से बाहरी हमले के लिए संशकित जरूर रहा, पर 15वीं सदी की कुछ सामंती ल□ाइयों के अलावा शांत रहा। शोगन काल के पहले जापान में कुछ आंतरिक कलह रही पर शोगन काल के बाद जापान को कभी अतंर्कलह का सामना नहीं करना पड़ा। दक्षिणी और उत्तरी अमेरिका का सिविल वॉर भी कुछ काल के लिए ही रहा। इसी कारण प्राचीन संस्कृति, परंपरा और विज्ञान के बावजूद भारतीय उपमहाद्वीप की अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई। बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और पाकिस्तान का भूभाग यदि क्षेत्रवाद, जातिवाद, संप्रदायवाद के पचड़ों से मुक्त हो जाए तो दुनिया का यह सबसे विकसित हिस्सा बन सकता है। समूह-8 के किसी भी देश की तुलना में इस भूभाग के पास बेहतर संसाधन, बाजार, श्रमशक्ति, खनिज प्रचुरता, उपजाऊ भूमि है। बावजूद इसके यह दुनिया का सबसे

पछि□। इलाक□ क्यों? क्योंक□ पछिले 1500 वर्षों से यह उपमहाद्वीप स्थरि ही नहीं हो पाया है□ पछिले छह दशकों में ब्रटिशि औपनवैशकि शक्त□ से मुक्त होने के□ बावजूद इस हस्सि□ को हसिा मुक्त नहीं कयि□ जा सक□ हदिुस्थान और पाकस्तिान के□ बीच पछिले छह दशकों में चार बार सैन्य भा□ंत हो चुकी है□ इस भा□ंत के□ अलावा ये पूरा क्षेत्र गृहयुद्धों से संत्रस्त है□ बांग्लादेश में पछिले तीन दशकों में में चक्मा हसिा में लगभग 20 हजार लोग मारे जा चूके है□ बांग्लादेश से ही सटे भूटान में स्थानीय द्रुक्पा समुदाय और नेपालयिों के□ बीच लंबे समय से संघश Z चल रहा है□ 1980 के□ दशक□ में लगभग □ कलाख नेपालयिों को भूटान से भाग कर नेपाल और हदिुस्थान में शरण लेना प□ा□ नेपाल में मधेशयिों और नेवारयिों के□ बीच 1980 के□ दशक□ में जो क्लह शुरू हुई तो आज दनि तक उसक□ कोई समाधान नहीं हो सक□ है□ नेपाल के□ शाही परविार ने 1960 से 1980 के□ बीच तराई में मौजूद 13 हजार नेवारी परविारों को लगभग 27 हजार हेक्टेयर कृश□योग्य भूम□ आबंटकि कर दी□ साथ ही साथ नयिम बनाया क□ कसिी मधेशी को नेपाली नागरक्ति□ तभी मलिेगी जब वह अपने नेपाल में नविास क□ 15 वर्षों क□ प्रमाण पेश करे□ आज नेपाल में मधेशी पार्टी क□ अपना राश्ट्रपत□ है□ जो माओवादी क्ल तक तराई से लेकर राजधानी क□ठमांडू तक आंतक के□ पार्याय थे उनक□ नेता पुश्पकुमार दहल `प्रचंड´ आज नेपाल के□ प्रधानमंत्री है□ नेपाल क□ यह अस्थायी अमन क□ब अराजक्ता में बदल जा□ कोई बता नहीं सक्ता□ श्रीलंक□ में 1970 के□ दशक□ में त्रकि□माली और बट्टिकलोआ जलिों में उपजाऊ भूम□ के□ बंटवारे को लेकर सहिली और तमलि समुदायों के□ बीच ववािद शुरू हुआ□ श्रीलंक□ सरकार ने महावेली के□ क□चमेंट □ रिया में सहिली और तमलि समुदाय के□ बीच 6:1 के अनुपात से भूम□ आबंटन कयि□ श्रीलंक□ सरकार क□ नीतयिों के□ चलते दोनों तमलि बहुल जलिों में सहिली आबादी तेजी से ब□ी□ 1920 के□ दशक□ में त्रकि□माली और बट्टिकलोआ में 4.5 फीसदी सहिली आबादी थी, 1980 में यह ब□ कर 33.9 फीसदी हो गई थी□ ब□ती आबादी और सरकार क□ पक्षपातपूर्ण नीत□ के□ कारण श्रीलंक□ में तमलि अलगाववाद क□ जन्म हुआ□ अब तक इस अलगाववादी आंदोलन में लगभग □ कलाख लोग मारे जा चके है□ पाकस्तिान में शयिा बनाम सुन्नी ल□ाई लंबे समय से चलती रही है□ पठान बनाम सधिी, सधिी बनाम पंजाबी सूबे क□ ल□ाइयां पुरानी प□ चुकी है□ अब देवबंदी बनाम टकटक सुन्नी ब्रगिड मे जहिाद छि□ा प□ा है□ आंतक्वाद इस्लामाबाद को अपने आगोश में ले चुक□ है□ भारत क□ वभिाजन वैश्वक समुदाय क□ सबसे ब□ा वस्थिापन था□ □ करो□ से अधकि लोग अपने पुरखों क□ जमीन से हट ग□□ क्श्मीर चाहे पाकस्तिानी क□ब्जे वाला हो या भारत अधक्त वह पछिले साठ वर्षों से लगातार अस्थरि है□ भारत में ऐसा कोई प्रांत शेश नहीं जहां जात□, धर्म, भाशा, वचिार के□ आधार पर आंतक□ कार्रवाई न हो रही हो□ केरल और तमलिनाडु इस्लामी आतंक्वाद क□ जद में है□ आंध्रप्रदेश, छत्तीसग□, झारखंड, बहिार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उ□ीसा समेत देश के 13 प्रदेशों में नक्सली आतंक्वाद सरि च□ कर बोल रहा है□ बहिार में जातीय सेना□ दशकों से रक्तपात कर रही है□ उ□ीसा में कंधमाल जल रहा है□ मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराश्ट्र, कर्नाटक, दल्लिी आद□ समिी से हलाक□न है□ पश्चिम बंगाल क□भी वाममोर्चे तो क□भी नक्सली ल□ाई से हैरान रहता है□ दक्षणि □ शयिा क□ कोई हस्सि□ नहीं है जो अस्थरि न हो□ यह अस्थरिता भारतीय उपमहाद्वीप के□ वकिास को वनिाश में तब्दील कर रही है□ दुनयि□ के□ कसिी कोने में इतना रक्तपात नहीं हो रहा□ क्या इसे रोकने की दशिा में हमारे पास कोई रणनीत□ है?
वस्□ फेट डॉट कॉम से साभार